भारत सरकार

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. **487** जिसका उत्तर

गुरूवार, **22 जुलाई**, 2021/31 आषाढ़, 1943 (शक) को दिया जाना है

हल्दिया पत्तन का आधुनिकीकरण

†487. श्री शिशिर कुमार अधिकारी:

क्या **पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार की हल्दिया पत्तन पर विश्वस्तरीय सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त धनराशि आवंटित करने की कोई योजना है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है;

(ग) क्या सरकार का हल्दिया पत्तन के माध्यम से चट्टोग्राम पत्तन, बांग्लादेश के साथ विदेशी व्यापार करने का प्रस्ताव है; और

(घ) यदि हां, तो आवश्यक पुनर्गठन परियोजनाओं और हल्दिया पत्तन के आधुनिकीकरण का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग राज्य मंत्री

(श्री श्रीपाद नाईक)

(क) और (ख): हल्दिया डॉक परिसर ने अपनी कार्गो संभलाई सुविधा के आधुनिकीकरण के लिए 658.86 करोड़ रु. मूल्य की प्रमुख परियोजनाएं शुरू की हैं। प्रमुख परियोजनाओं का विवरण अनुबंध में दिया गया है। इसके अलावा सरकार ने नौवहन चैनल में रखरखाव ड्रैजिंग शुरू करने के लिए वर्ष 2023-24 तक 998.85 करोड़ रु. की निधि आबंटित की है, जिससे एचडीसी पर गहरे डुबाव वाले जलयानों को जगह देने में मदद मिलेगी।

(ग) और (घ): हल्दिया भारत बांग्लादेश तटीय नौवहन समझौते के प्रवेश पत्तनों में से एक है। इस समझौते के तहत जलयानों के आवगमन के लिए चार सहमत मार्ग हैं, जो निम्नानुसार हैं:-

i) चेन्नई-कृष्णापट्टनम-काकीनाड़ा-विशाखापट्टनम-पारादीप-हल्दिया-कोलकाता-मोंगला-पाईरा चित्तागोंग;

ii) चेन्नई- कृष्णापट्टनम-काकीनाड़ा-विशाखापट्टनम-पारादीप-हल्दिया-कोलकाता-मोंगला-खुलना;

iii) चेन्नई- कृष्णापट्टनम-काकीनाड़ा-विशाखापट्टनम-पारादीप-हल्दिया-कोलकाता-पाईरा;

iv) चेन्नई-कृष्णापट्टनम-काकीनाड़ा-विशाखापट्टनम-पारादीप-हल्दिया-कोलकाता-पनगांव नारायणगंज-आशुगंज।

दिनांक 21 जुलाई, 2020 को त्रिपूरा जाने वाले कार्गो के साथ एक कंटेनर जलयान परीक्षण के आधार पर चलकर हल्दिया से चत्ताग्राम पहुंचा।

अनुबंध

हल्दिया डॉक परिसर द्वारा अपनी कार्गो संभलाई सुविधा के आधुनिकीकरण के लिए शुरू की गई प्रमुख परियोजनाओं की सूची।

i) रानीचक पर रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण - 127.8 करोड़ रु. (पूरी की गई)

ii) एचडीसी पर दुर्गाचक टेक ऑफ प्वॉइंट से दुर्गाचक "ए" कैबिन तक दूसरी रेलवे लाइन। मार्ग की लंबाई - 11,5 कि मी- 117 करोड़ रु. (पूरी की गई)

iii) बाहरी टर्मिनल-।। का विकास- 81.24 करोड़ रु.

iv) बर्थ संख्या 11 और 12 पर तीसरी आरएमक्यूसी की स्थापना और प्रचालन- 52.82 करोड़ रु.

v) 30 वर्ष की अवधि के लिए डीबीएफओटी आधार पर शालुखाली, हल्दिया डॉक -II, हल्दिया डॉक परिसर, एसएमपीके, कोलकाता पर सहायक सुविधाओं सहित लिक्विड कार्गो संभलाई जेट्टी स्थापित करना- 172.52 करोड़ रु.

vi) पीपीपी माध्यम से बर्थों (बर्थ संख्या 5 और 10) का यांत्रीकरण

vii) 5 बर्थों/ जेट्टियों पर अग्निशमन सुविधाओं का विकास- 107.48 करोड़ रु.

*****